Series HRK/1

SET-1

कोड नं.
Code No. **4/1/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

संकलित परीक्षा-II
SUMMATIVE ASSESSMENT-II
हिन्दी
HINDI
(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 90*

सामान्य निर्देश:

*(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं- **क, ख, ग और घ**।*

*(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2×6=12

पता नहीं क्यों, उनकी कोई नौकरी लंबी नहीं चलती थी। मगर इससे वह न तो परेशान होते, न आतंकित, और न ही कभी निराशा उनके दिमाग में आती। यह बात उनके दिमाग में आई कि उन्हें अब नौकरी के चक्कर में रहने की बजाय अपना काम शुरू करना चाहिए। नई ऊँचाई तक पहुँचने का उन्हें यही रास्ता दिखाई दिया। सत्य है, जो बड़ा सोचता है, वही एक दिन बड़ा करके भी दिखाता है और आज इसी सोच के कारण उनकी गिनती बड़े व्यक्तियों में होती है। हम अक्सर इंसान के छोटे-बड़े होने की बातें करते हैं, पर दरअसल इंसान की सोच ही उसे छोटा या बड़ा बनाती है। स्वेट मार्डेन अपनी पुस्तक *'बड़ी सोच का बड़ा कमाल'* में लिखते हैं कि यदि आप दरिद्रता की सोच को ही अपने मन में स्थान दिए रहेंगे, तो आप कभी धनी नहीं बन सकते, लेकिन यदि आप अपने मन में अच्छे विचारों को ही स्थान देंगे और दरिद्रता, नीचता आदि कुविचारों की ओर से मुँह मोड़े रहेंगे और उनको अपने मन में कोई स्थान नहीं देंगे, तो आपकी उन्नति होती जाएगी और समृद्धि के भवन में आप आसानी से प्रवेश कर सकेंगे। 'भारतीय चिंतन में ऋषियों ने ईश्वर के संकल्प मात्र से सृष्टि रचना को स्वीकार किया है और यह संकेत दिया है कि व्यक्ति जैसा बनना चाहता है, वैसा बार-बार सोचे। व्यक्ति जैसा सोचता है, वह वैसा ही बन जाता है।' सफलता की ऊँचाइयों को छूने वाले व्यक्तियों का मानना है कि सफलता उनके मस्तिष्क से नहीं, अपितु उनकी सोच से निकलती है। व्यक्ति में सोच की एक ऐसी जादुई शक्ति है कि यदि वह उसका उचित प्रयोग करे, तो कहाँ से कहाँ पहुँच सकता है। इसलिए सदैव बड़ा सोचें, बड़ा सोचने से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल होंगी, फायदे बड़े होंगे और देखते-देखते आप अपनी बड़ी सोच द्वारा बड़े आदमी बन जाएँगे। इसके लिए हैजलिट कहते हैं- महान सोच जब कार्यरूप में परिणत हो जाती है, तब वह महान कृति बन जाती है।

(क) गद्यांश में किस प्रकार के व्यक्ति के बारे में चर्चा की गई है। ऐसे व्यक्ति ऊँचाई तक पहुँचने का क्या उपाय अपनाते हैं?

(ख) गद्यांश में समृद्धि और उन्नति के लिए क्या सुझाव दिए गए हैं?

(ग) भारतीय विचारधारा में संकल्प और चिंतन का क्या महत्त्व है?

(घ) गद्यांश में किस जादुई शक्ति की बात की गई है? उसके क्या परिणाम हो सकते हैं?

(ङ) 'सफलता' और 'आतंकित' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और प्रत्यय का उल्लेख कीजिए।

(च) गद्यांश से दो मुहावरे चुनकर उनका वाक्य प्रयोग कीजिए।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- $2\times4=8$

इस पृथ्वी पर
एक मनुष्य की तरह
मैं जीना चाहता हूँ
वे खत्म करना चाहते हैं
बैक्टेरिया की तरह
उनके तमाम हथकंडों के बावजूद
मैं नहीं मरता
उपेक्षा, भूख और तिरस्कार से लड़ते-झगड़ते
बढ़ गई है मेरी प्रतिरोधक सामर्थ्य
मैं मृत्यु से नहीं डरता
और अमरत्व में मेरा विश्वास नहीं
लेकिन मैं नहीं चाहता प्रतिदिन मरना
थोड़ा-थोड़ा
किंचित विनम्रता
किंचित अकड़

और मित्र हँसी के साथ
बेहतर सृष्टि के लिए
मैं एक पके फल की तरह टपकना चाहता हूँ
जिसे लपकने के लिए
झुक जाएँ एक साथ
असंख्य नन्हे-नन्हे हाथ
अधूरी लड़ाई बढ़ाने के लिए
फल के रस की तरह
मैं उनके रक्त में घुल जाना चाहता हूँ
मैं एक मनुष्य की तरह मरना चाहता हूँ।

(क) कवि की प्रतिरोध क्षमता कैसे बढ़ गई है? समझाइए।

(ख) कवि के 'हथकंडों' शब्द के प्रयोग का तात्पर्य क्या है?

(ग) 'मैं नहीं चाहता प्रतिदिन मरना'-का आशय समझाइए।

(घ) पके फल की तरह टपकने की चाह क्यों व्यक्त की गई है?

खंड 'ख'

3. शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण देकर शब्द और पद को समझाइए। 1+1=2

4. निर्देशानुसार वाक्य रूपांतरण कीजिए- 1×3=3

(i) वह फल खरीदने बाज़ार गया। वहाँ से फल लेकर आ गया।
(संयुक्त वाक्य में)

(ii) चाय पीने की यह एक विधि है। जापानी में उसे चा-नो-यू कहते हैं।
(मिश्र वाक्य में)

(iii) भारतीय सैनिक ऐसे हैं कि कोई उनकी बराबरी नहीं कर सकता।
(सरल वाक्य में)

5. (क) निम्नलिखित शब्दों का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए- 1+1=2

(i) नीलकमल

(ii) घुड़साल

(ख) निम्नलिखित शब्दों को समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए- 1+1=2

(i) नया जो आभूषण

(ii) गगन में विचरण करने वाला

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए- 1×4=4

(i) सावित्री सत्यवान की पत्नी रहीं।

(ii) प्रधानाचार्य छात्र को बुलाए।

(iii) वह अनुत्तीर्ण होकर परीक्षा में फेल हो गया।

(iv) मोहन ने सोया।

7. निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो- 2

मुठभेड़ होना, एक-एक शब्द को चाट जाना।

खंड 'ग'

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2+2+1=5

(क) 'गिरगिट' कहानी में पुलिस और जनता के सम्बंधों को कैसे दिखाया गया है?

(ख) शुद्ध सोना और गिन्नी के सोने में क्या अंतर है?

(ग) काठगोदाम के पास भीड़ क्यों इकट्ठी हो गई थी?

9. वज़ीर अली कौन था? उसके चरित्र की क्या विशेषताएँ हैं? अपने शब्दों में सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 5

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2+2+1=5

खुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्त्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

(क) महत्त्व की बात क्या है और क्यों ?

(ख) शाश्वत मूल्य क्या हैं ? इन मूल्यों से समाज को क्या लाभ हैं?

(ग) समाज को पतन की ओर ले जाने वाले लोग कौन हैं?

11. (क) बिहारी के दोहों की रचना मुख्यत: किन भावों पर आधारित है? उनके मुख्य ग्रंथ और भाषा के नाम का उल्लेख कीजिए। 2

(ख) 'मनुष्यता' कविता में कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा गया है और क्यों? 2

(ग) 'कर चले हम फिदा' कविता में धरती को दुलहन क्यों कहा गया है? 1

12. 'आत्मत्राण' शीर्षक का अर्थ बताते हुए उसकी सार्थकता, कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। 5

13. 'सपनों के से दिन' पाठ में पीटी सर की किन चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख किया गया है? वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में स्वीकृत मान्यताओं और पाठ में वर्णित युक्तियों के संबंध में अपने विचार जीवन मूल्यों की दृष्टि से व्यक्त कीजिए। 5

खंड 'घ'

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– 5

(क) अपनी भाषा प्यारी भाषा

- अपनी भाषा का परिचय
- प्यारी क्यों है?
- अन्य भाषाओं से मेल

(ख) स्वच्छता अभियान

- क्या है
- क्यों और कैसे
- सुझाव

(ग) लड़कियों की शिक्षा

- समाज में लड़कियों का स्थान
- शिक्षा की अनिवार्यता और बाधाएँ
- सबका सहयोग

15. आए दिन बस चालकों की असावधानी के कारण हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए। 5

16. विद्यालय में साहित्यिक क्लब के सचिव के रूप में 'प्राचीर' पत्रिका के लिए लेख, कविता, निबंध आदि विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत करने हेतु सूचना पट के लिए एक सूचना लगभग 30 शब्दों में लिखिए। 5

17. पुस्तक मेले में जाने के लिए उत्सुक पुत्री और उसकी माँ के बीच के संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। 5

18. अपनी पुरानी पुस्तकें गरीब विद्यार्थियों में निःशुल्क वितरण करने के लिए एक विज्ञापन लगभग 25 शब्दों में लिखिए। 5